





[illegible]

नाममयश्च नृणां तन्नाम ॥ अथ विरुद्वानि ॥ ह वि वि वि वि वा स व वि ग य ति य व
तु श्र य द य के रु के ल हि ॥ १ ॥ दि न उ ॥ वा ले नि ता ह रु ग ग त म् ॥ म य श्रु ति नि
ज ग ति य वि श्र व न म् ॥ नि य सृ ग का रु न ह ॥ अ श्र य ना ॥ २ ॥ क मि य रु न नि ह
न य र त सा ॥ ३ ॥ का ग व च न म भ क य तु श्र स व ॥ रु य ति न्द्र स रु न द र न ग ॥
व ॥ ४ ॥ मा नू ष ना ॥ गी जा ग ॥ रु ति ॥ १ ॥ उ मि श्र स हि ता क रु न क नू य ल वे स रु न

1251

रु
नसिकसि

तिसूनदमनूकलपिगनकेसुठ ॥ रुहिनिगाहिखिगमलगभ (हा) वि
विनरुदुसंरु कयनमसुवस ॥ अनुयमसुंदनप्रितयनव (हा) रुमल
गुनिरुनः रुयप्रितनलेहा ॥ यता ॥ नसिकहिप्रामनि रुयतिद्व। वृयम
नसिकमदनहायुपः विविधगुनखनि. अगानितदाता कुरुता रुयअन
थमहामतिविनयनयनरुिनाभ ॥ निरिक्कनविनिविधमुखवृधऊनः
अ

१ ऊन

बालधसि

मानसम्प्रविदीतह (हा) निखिनयूनऊन. अलददाताः तयन कूनअवतसः
॥ प्रियगनगऊन अऊन लमालऊनऊन सगनसवखन। गुनिनऊनय
नमविनादिनी प्रियूनसखकनिधम ॥ ३ ॥ सार्गगना (हा) खरुति ॥ यनध
निरुयिप्रवरुऊननियाय ॥ अगीनिसकात्रमात्र हांलानअसानधनम
वयिवल (हा) वायायसान ॥ धनमुखसुवधन. गलायासंयती। रुमनका

शिववचन

नववर्गं शिवया विवर्तते ॥ स्वास्ति वा ज्ञेयता चूय गृन्धि ध्वकायामाया
भाहा ता प्रकाव दानयूनयाय ॥ ज्ञाना नृय तिस्र नरु हिरुखा खाडावा यूनज
मममात्रक र्हेत्र रुक्याव ॥ ४ ॥ कात्रा ॥ ५ ॥ ता रुवन रुन निद विज्ञान लता
हानिह ॥ राव रुय हाति नि प्रियू गनमा निरुमाया ॥ चनन रुद्र दह युक्त
यूनूतम चन यान रुय धरुमू निन न गन लव अन्न चय ॥ रुयि अन्न वद वल्लव

कथा गमना

स अन्नयमसूत्ररुन ॥ तयि अन्न निश्रमन च सवत वयदमूत्र ॥ त्वका नि
य रुम रुव मन वच नाव ॥ ननय तिरुय द्रु गल न गमव ॥ ज्ञा ग क य
रुति ॥ रुचन न रु अन्नू खन खन गमडा ॥ कन हि अरि मता यरु विज्ञायाय
॥ सूत्र कूदि गयति विनय विधव ॥ कन हि तक्षी क यदमूत्र गमवडा ॥
हि यम नखला अत क्षि गून गान ॥ ग्रहित रुद्र दिमूत्रा कि पिून हि अन्न

॥ इति मतिरिति मित्रं नित्यं शित्वा निदिधुञ्जुः खवत्रिणि निरुहवा नि ॥
 प्रागवस्तु ॥ नृप ॥ दिवत्राजसवदेव धाकूनः ॥ किमागजवत्रलेदशाय
 नः ॥ क्रयतात्र ॥ हंसि संगं रुत्र हि सुश्वरुः ॥ अमत्रावति कडयत्र कयत्रो
 रुः ॥ सिनः मूकतधलियत्र वसदलः ॥ त्रंगरु मिदधि अनीदरुनः ॥
 रुगतयका सनृपतिवहा सनका कामजुलिकयदकय अवधाले ॥

॥ ७ ॥ प्रागवस्तुः युताः मातनमनमथ सहितवसं कः लम नित्रतनदे वि
 सदा शिवकीक ॥ यिलितिकवसहा सि रुत्रनकदः कत्रनहितनत रुह
 वरुहिसिनेह ॥ गंध अकमकयलसंक ॥ कलरुवा निथमकया
 सवा धिनाव हंसया नि ॥ युकासक रुक्म ॥ लखन लुहायिः यदूमा
 रुवतिदवि सदारं गयाडाडा रुवीदवि ॥ ८ ॥ वत्रा नित्रागा ॥ असीति

गङ्गा हिमालीष विदालिनीः कनरा विमिश्र गङ्गा लनकालिनि ॥ चतुर्मुखः
 वक्षकमसूतकात्रिनीः ॥ इति रुनि गङ्गा रुध्वं साध विष्ठा ॥ सकलदेव
 गन लिहयदाता ॥ सिं रुध्वं लिखन रिलङ्गा गमाता ॥ मयतिद्वयकन
 यनाम ॥ दिवियसाधयूनमालका ॥ १० ॥ नातया यतिमा ॥ कथयन्ती
 रु लिखधिकयलययाने ॥ दिविकद्धानवयदममनात ॥ सङ्ग निमति काग

नि

नः अयातसनिथ ॥ इत्ययकनधनः ॥ लिङ्गा सुदिथ ॥ इति कलवच्छर
 निः ॥ नक्षत्रं साम ॥ सिधिका गीला गलमागयतनाम ॥ कङ्गा तचदनरुन
 क विगनसाल ॥ ११ ॥ रुगङ्गा तिकनवधू रुमललिहान ॥ ११ ॥ कदनाग ॥ य
 ॥ गङ्गा कसकसकिङ्गा अतिधू ॥ गलजान ॥ हिमगङ्गा नयति रुमानाः दूर्यति
 नक्षत्रान ॥ यरुमाहिनाखिन रुहि ॥ यत्र ॥ ५१ ॥ विदूनहीष्मद्रानलविसूत

कउ ननता लिहात्रः यावयति माहिहा निर्वेत्थः त्राहृ हितभात्र ॥ धनूकवा
नहनातत्रिक्काः गत्रुडयावहिषात्र ॥ चक्रकायिचात्रात्रिक्कावा लकवत्रः
॥ ॥ ॥ सूत्रयद्रुर्ककयासागत्रचितद्रुवृक्कवत्रः वाधिवसंवनाञ्च
वहयलाहृद्रयजयसात्र ॥ जादिनसामथूराहमध्वादिगत्रप्रकास्त्र
नदि। नूकमिनिचलद्रुजनमद्रुमिडाउ ॥ सनवसानकित्रचिद्वानिकाम

थूराकेस्त्रहि ॥ सितलद्रुलद्रुमनायकञ्चवनर्वेत्थकदमूकिचूयि
। उतिलाविद्वावनहायि, तिनित्राकमहनहि ॥ मयजसायायितानद्रुश
कत्रयतत्रयमनमहि । सूत्रदासयद्रुममिदलसका, सूत्रतित्रहिद्रुज
महि ॥ ॥ ॥ मात्रुधलाशा ॥ धा ॥ विसत्रिस्रधिवृषीसवर्जानकिमधून
वनूस्त्रगान, मूनिगानयगुरुथासूनिसाऊनिःगधर्वमाहृगुलगान ॥

॥ ॐ ॥ सुखप्रसन्नतातिः सुखसू नित्यहावप्रधान ॥ ऊमनाथकितरुया
ममभारुन, मितरुयाऊनरिन। यलुयकिस्वमगुरुयानरुयकतक
यनीन ॥ मृगकूत्रतिनत किप्रचनसूत्र लि वचूवायिवयनवीन अन्या
गियियात्रियिउधतन, प्राचनवरुति निन ॥ वृद्धादिगसनकापिनात्र
दसकनयुमशानद, सहसंभेमानि धिप्रचनानननचदुरुयगतिमद ॥

॥ मलादव कितानकूतिश्रसूत्ररुथाश्चत। ध्यानकूतिधूतिस्वम
ननागिसूदिनवरुतनूधत ॥ भानमदकापिनकाननकूदत्रः यिताम
त्रयप्रहान। ॥ विष्णुवनललिकसिनामनि, सूत्रदासव निज्ञान ॥
नागविह ॥ धा ॥ गार्तनायायनकयलनिवा (लदसमयानरुगत
यशस ॥ कर्क नलतलखचितकरुति, तसूम दिनशाहल विसमकाति

लंखसनाउगदाचक्रहाथ। गनद्रशसनसाहृ त्रिदुवननाथ॥ तिहन्स
त्रयवजतके ज्ञान। जगमनिगमज्ञाननहि ज्ञान॥ नृवजगज्ञाति
करुकरुत्रदवा। कनरिक्ककनवचननद्रवसवा॥ ५॥ नामकति॥ प्र॥ ॥
इसामयज्यत्राधिगविद्य॥ कात्रनकउभजयजगज्ञनभजनमकउन
रुत्रयायासावैधव॥ ५॥ धात्रयात्रिकयतिवतवालागाहामसदावसयि

गमयात्रा॥ रुवजत्रचननललनचितमउनितादावितद्यप्रियनत्रहयगु
सायि॥ तुमनुत्रयकयानमौदामादनरुगतवचनरुथाहृ त्रिगुसायि॥ करु
यकविलविनमवित्रावसि। सासतिहातिहमालगमसायि॥ ५॥ ॥
गमालनाग॥ धा॥ विष्णुनमरुथात्रामत्रामज्जहातासत्रगविनगत्रिव
त्रामयज्ञानानहि विष्णुज्ञानर्कसातहा। लामयताज्ञानानहि विष्णुज्ञानर्क

स्यनहा ॥ ५२ ॥ विद्वानरुथा नाममिनञ्जुञ्जकोरुनयिरुनयिजिवनाम
 यज्ञानालहि ॥ विद्वानरुथा नाममन्त्रकवाञ्जुञ्जकयीरुनयिरुनयिजिव
 नामसज्ञानालहि ॥ सूनदासप्रदुग्मापिदलसकाकवदद्रुमिनद्रुजिव
 नामसज्ञानालहि ॥ मान्धनाष्टा ॥ वा ॥ तिप्रियायथावनचिथनिनुगातुनवा
 धिगथात्रसूदामामदिनदखिपनात्रसूदामा ॥ ५३ ॥ तनुनदयिवद्रुतमनरु

लखितज्ञामनरावसूमागुसूदामा ॥ ५४ ॥ हिथामहातिनाहमेनामाहुप्रिया
 न्नकनकागवनाया ॥ था ॥ धदकातिप्रियायन्निहात्राञ्जुकाहाध्वधकिलत
 ॥ शवनसूदामाष्टात्रखार्वेथचउदिगचवनद्रुगाथा ॥ सूनदासप्रदुग्मापिद
 नलकुगप्रिवनिवाङ्ककिया ॥ ५५ ॥ मान्धनाष्टा ॥ ख ॥ मनसंधनयनामना
 मकावनाम ॥ सूनथञ्जुदियनानमदनाधनध्वधनञ्जुसानकानवाङ्

मनसंधनय

मवाव ॥ हृत् हतात्रथननाइक्षत्रतात्रयननूतासमिआहनसनदाना ॥
 थमिह निकनसनकनसाश्रयवनसनयवाभाकात्र ॥ वातयितसखमुञ्ज
 रमजावप्रष्ठासकाडिकर्कनखातात्रताव ॥ सिद्धिननसिद्धसामिउभयित्ता
 थमलवाक्यायउमनजाननाव ॥ ६२ ॥ विसस ॥ ऊ. नू. श्र. य. थ. नू. य. ॥ यथिकव
 धृताहृदखनहायतामाधवकतदूनगना, समयदखनश्रवणमनिसानद
 स्यायथयनगतहना ॥ ६३ ॥ वमिह निविनूलहवनयानवकनूताहमात्र

कि काऊ. ह मनसदनजाकद्रमादिश्रुहकागिनिहाश्रवकसाऊ ॥ विन
 हयिदिगनूकयनहश्रुतिसिलजामिनीऊलावाधमालऊकुनहिमित्रय
 भाहिधनिकसुवहयतश्रवसभना ॥ ६४ ॥ उगतयकासुनियतिवहागवय
 नागप्रवित्रहकवदनतिश्रुवनथमह ॥ ६५ ॥ नयदयूगकनारः धूमात्रामल ॥
 रागन ॥ ॥ माहननासिकनयनकवात्रतजमुतवानिमथूनामाहनीम

ब्रह्मज्ञान ॥ भाहनस्याम विद्यावनभाहनभाहनक्रमनायानि ॥ भाहनसून
 दासकाथाकूनभाहमकूवज्ञानानि ॥ वसंक्रनाग ॥ ख ॥ नकलमत्रिनम
 षमानि निञ्जुनवविद्युयतिनवमनसिऊलाऊकसूकू॥ मलसूरुमनव
 पिवगात्रनिहवलहयदतवक्रिबउयचीतलयनतर्गलाक्षयनामनक
 हाकतनी ॥ कूचकचनगि विदत्रज्ञानदहयनसनकलमूकयसनवलेह

हमकूनमतिगाहजातिज्जिहिननधत्रनिधत्रभालजूननतित्र ॥ लसुतित्रा
 धात्रज्ञमतिकाद्रुलितुतिवतिसुमयउचितयर्कवानिसुमतिजीतामीतलिय
 मीतवानिमाधवसमप्रितिगाहस्यानि ॥ ५५ ॥ नागर्गत्रि ॥ धा ॥ नवीकूनउ
 यडलउदिसवनलयतिनान्यदवनूयज्ञानगीगधवसूतनरशि
 हधवदुयनामसिहधववूजग्न ॥ तद्विकनमनधिकरुवसिहधव

पुनः कनकमसिंहकवनाय रुचयति ह लि सिंहभयान आयत ॥ हा वनलसी
 रुकवनकाय ॥ देवमल्लनागमल्ल ॥ कमलदेव, उमस्मितिमल्लन
 कलंथिन, गसूतज कमलनायमल्लसूदनरुवनमल्लवदविन ॥ ॥
 एकनयमानथिक, यानमल्लदेव, विश्वमल्ल विश्वस्वामि, त्रैलोक्यमल्लच
 यनृतिनाथसमरुगजातिगुनकवश्यान ॥ नलसमल्लदेव धनमम्

[illegible]

हि साह कप्रतयल ह तय तुअलाह ॥ शिदल अवन थामनल अवन
लः हल गूनल लक उधन ॥ गि रुवदूया नल वयल हवानी कि तुम तु
लन हायानि । उगत युका समदि निय ति हासा यूनय ह ह मना अ
सा ॥ ४५ ॥ मल वना ग ॥ गीति ॥ धनि मनि अंक लिदवय ह निः कस
ल मिन व गाय देव मनालि ॥ अहित मदन हन हिय य व वा निः

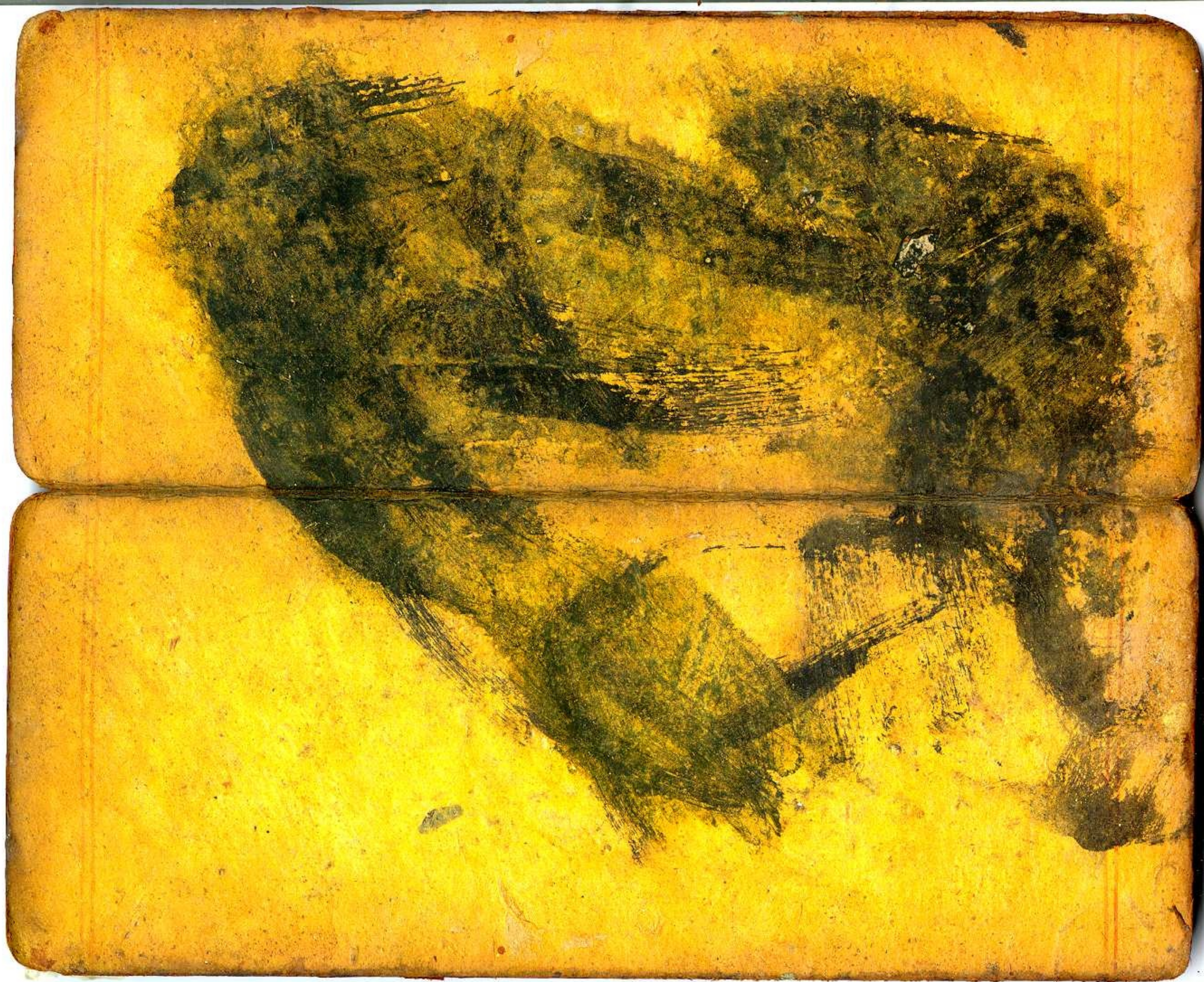
लक निउ दि त विधूद ह धिय नानि ॥ सल शिउ सल तुदू धि खीय
नका शः मलय यवन व हन हिय दू यात्र ॥ नृयात्र नृयति हन कुय
तिदु विलः यत्र वतक हिन न दू तसू विल ॥ ४६ ॥ ॥ श्री गेनी नाग ॥ वा ॥
ऊय सन स चनी गिरुवन न दीनिः कन ह कुपा माहि ताहः अरिन व
यन न विनि रुच विजिन न चादक नागिन न श ॥ ४७ ॥ नन निषदा मया

सञ्जय उवाच ॥ भवमिव कनू रवता न ॥ सुप्रख उग अरुय वन सांशु
 त ॥ हविह न विधिव क न ध्या ना ॥ च उ म ती या गि नी क न ह व न क य ॥ रुष
 स रं व व स (ग ॥ ति नी न य न रु क या नि म ना ह न ॥ किं कि नि व ग व न व
 (ग ॥ रु प ति द्य नि प न ति क व क न उ वि ॥ उ ध्म व ह मा हि रु व वा नी ॥
 अ वि न य ड व क न स दि धि नि हा व ह ॥ क व ल नि उ सू न उ न नी ॥ ॥ ॥













Handwritten text on the top page of a dark, worn notebook. The text is written in white ink and appears to be a list or series of entries, possibly related to a survey or field notes. The handwriting is somewhat faded and difficult to decipher due to the dark background and wear.

Handwritten text on the bottom page of the notebook. The text is written in white ink and appears to be a list or series of entries, possibly related to a survey or field notes. The handwriting is somewhat faded and difficult to decipher due to the dark background and wear.

Handwritten text in a cursive script, likely a ledger or account book. The text is written in white ink on a dark, heavily worn, and stained surface. The entries are organized into columns, with some numbers and names visible. The surface shows significant wear, including a large, irregular tear or hole in the center-left area.

Handwritten text in a cursive script, continuing the ledger or account book. The text is written in white ink on a dark, heavily worn, and stained surface. The entries are organized into columns, with some numbers and names visible. The surface shows significant wear, including a large, irregular tear or hole in the center-left area.



65
60
60
63



64
62
62
62
62
62
62





